शिव मेरे हो गए | by V.K. Bob

हर हर हर हर शम्भू हर हर हर हर
हर हर हर हर शम्भू हर हर हर हर

शिव मेरे हो गए मैं शिव का हो गया
पाप पुण्य से परे मैं शिव में खो गया
आकाश शिव धरा है शिव
हर जगह है शिव सारे जहाँ में शिव
जला शिव की ज्योत्रि ह्रदय कैलाशी हो गया
शिव मेरे हो गए मैं शिव का हो गया
पाप पुण्य से परे मैं शिव में खो गया
हर हर हर हर शम्भू...............

लोभ छूटा जबसे मेरा मोह छूटा सबसे मेरा
जबसे शिव को निहारा हुआ जीवन धन्य मेरा
सूर्य है शिव चन्द्रमा है शिव
जल भी है शिव हवा भी शिव
धुप भी शिव अन्न भी है शिव
जन्म है शिव मृत्यु है शिव
देख आदित्य तुम्हे मैं तो तुझमे खो गया
शिव मेरे हो गए मैं शिव का हो गया
पाप पुण्य से परे मैं शिव में खो गया
हर हर हर हर शम्भू...............

तुम उमापति हो शंकर
तुम रूद्र रूप हो शंकर
तुम कैलाश के स्वामी
तुम महाकालेश्वर शंकरा
पर्वत में शिव वन में है शिव
हर घर के बाहर घर में है शिव
ब्रह्मा भी शिव विष्णु भी शिव
हर दिल की धड़कन में है शिव
दूर मैं दुनियादारी से लीन शिव में हो गया
शिव मेरे हो गए मैं शिव का हो गया
पाप पुण्य से परे मैं शिव में खो गया
हर हर हर हर शम्भू...............

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%97%e0%a4%8f-by-v-k-bob/